पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने मेरठ के इण्टीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एण्ड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर में लगभग 3,000 करोड़ रु0 के निवेश से स्थापित हो रही बॉल कॉरपोरेशन की मैन्युफैक्चरिंग इकाई का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास किया

बॉल कॉरपोरेशन की यह मैन्युफैक्चरिंग परियोजना प्रदेश में वैश्विक निवेशकों के निरन्तर बढ़ते विश्वास का प्रमाण : मुख्यमंत्री

इस मैन्युफैक्चरिंग इकाई के स्थापित होने से हजारों प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे, स्थानीय एम0एस0एम0ई0, पैकेजिंग सप्लायर्स, लॉजिस्टिक्स, ट्रान्सपोर्ट और रीसाइक्लिंग से जुड़े सहयोगी उद्योगों के लिए व्यापार और विकास के नए द्वार खुलेंगे

स्पोर्ट्स और पारम्परिक उद्योगों के साथ अब मेरठ एडवान्स्ड ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग के प्रमुख केन्द्र के रूप में विकसित हो रहा

यीडा क्षेत्र में सिंगापुर, जापान और ताइवान सिटी के माध्यम से उ0प्र0 वैश्विक कम्पनियों, आधुनिक तकनीक और एडवान्स्ड मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को प्रदेश में आमंत्रित कर रहा

27 इण्डस्ट्रियल एवं मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर आधुनिक औद्योगिक विकास का आधार, उ0प्र0 में बड़ी फैक्ट्रियों की संख्या 14,000 से बढ़कर 35,000 से अधिक हुई

01 करोड़ एम0एस0एम0ई0 इकाइयां और 25,000 से अधिक स्टार्टअप्स उ0प्र0 की अर्थव्यवस्था की रीढ़

प्रदेश की 36 सेक्टोरल पॉलिसी उद्योगों और निवेशकों को आकर्षित कर रहीं, बॉल कॉरपोरेशन को इन नीतियों के अन्तर्गत सुविधाएं प्रदान की जा रहीं

उ0प्र0 में सी0एन0एच0 इण्डस्ट्रियल लगभग 1,200 करोड़ रु0 और ताइवान की क्रिएटिव सेन्सर लगभग 1,100 करोड़ रु0 का निवेश कर रहीं

लखनऊ : 25 नवम्बर, 2026

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि मेरठ के इण्टीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एण्ड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर में लगभग 3,000 करोड़ रुपये के निवेश से एल्युमिनियम बेवरेज कैन की विश्वस्तरीय मैन्युफैक्चरिंग इकाई स्थापित होने जा रही है। यह उत्तर प्रदेश की औद्योगिक विकास यात्रा के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस परियोजना के माध्यम से बॉल कॉरपोरेशन उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा, आत्मनिर्भर

भारत–आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश और विकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प में एक महत्वपूर्ण साझेदार बन रहा है।

मुख्यमंत्री जी आज मेरठ में आयोजित बॉल कॉरपोरेशन की नई मैन्युफैक्चरिंग इकाई की ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी समारोह को अपने सरकारी आवास से वर्चुअल माध्यम से सम्बोधित कर रहे थे। इससे पूर्व, मुख्यमंत्री जी ने बॉल कॉरपोरेशन की नई मैन्युफैक्चरिंग इकाई का शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह परियोजना प्रदेश में वैश्विक निवेशकों के निरन्तर बढ़ते विश्वास का प्रमाण है। अभी कुछ दिन पहले सी0एन0एच0 इण्डस्ट्रियल के लगभग 1,200 करोड़ रुपये के निवेश का भूमि पूजन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ तथा विगत दिवस ताइवान की क्रिएटिव सेन्सर के साथ लगभग 1,100 करोड़ रुपये के निवेश की दिशा में प्रदेश आगे बढ़ा।

बॉल कॉरपोरेशन की यह मैन्युफैक्चरिंग इकाई एक एंकर यूनिट के रूप में कार्य करेगी। इससे हजारों प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने के साथ स्थानीय एम0एस0एम0ई0, पैकेजिंग सप्लायर्स, लॉजिस्टिक्स, ट्रान्सपोर्ट और रीसाइक्लिंग से जुड़े सहयोगी उद्योगों के लिए भी व्यापार और विकास के नए द्वार खुलेंगे। इस प्रकार यह परियोजना केवल एक औद्योगिक इकाई तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और औद्योगिक इकोसिस्टम को भी मजबूत करेगी।

भारत में सॉफ्ट ड्रिंक्स, जूस, एनर्जी ड्रिंक्स और रेडी–टू–ड्रिंक बेवरेज का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में मेरठ की यह लोकेशन बॉल कॉरपोरेशन को अपने ग्राहकों और फिलिंग सुविधाओं के निकट रहकर पूरे भारत और वैश्विक बाजार में अपने व्यवसाय का विस्तार करने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगी। उत्तर प्रदेश की बेहतर औद्योगिक परिस्थितियां, कनेक्टिविटी और निवेश के लिए तैयार ईको–सिस्टम इस परियोजना की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मेरठ पहले से ही ओ0डी0ओ0पी0 के अन्तर्गत स्पोर्ट्स गुड्स के लिए विश्व प्रसिद्ध है। प्रदेश सरकार यहां मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का निर्माण कर चुकी है। स्पोर्ट्स और पारम्परिक उद्योगों के साथ अब मेरठ एडवान्स्ड ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग के प्रमुख केन्द्र के रूप में भी विकसित हो रहा है। बॉल कॉरपोरेशन द्वारा मेरठ का चयन एक दूरदर्शी और रणनीतिक निर्णय है, जो इस क्षेत्र की

औद्योगिक सम्भावनाओं तथा प्रदेश की बेहतर कनेक्टिविटी और निवेश अनुकूल वातावरण को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नमो भारत रैपिड रेल, दिल्ली–मेरठ 12–लेन एक्सप्रेस–वे, गंगा एक्सप्रेस–वे, 25,000 हेक्टेयर के यीडा क्षेत्र तथा जेवर स्थित नोएडा इण्टरनेशनल एयरपोर्ट से निकटता और ईस्टर्न एवं वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की पहुंच मेरठ को तेज, निर्बाध और विश्वस्तरीय मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी प्रदान कर रही है। यह सभी सुविधाएं मेरठ को उद्योग, निवेश, लॉजिस्टिक्स और आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग के एक महत्वपूर्ण केन्द्र के रूप में स्थापित करने में सहायक बन रही हैं। यीडा क्षेत्र में सिंगापुर, जापान और ताइवान सिटी के माध्यम से उत्तर प्रदेश वैश्विक कम्पनियों, आधुनिक तकनीक और एडवान्स्ड मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को प्रदेश में आमंत्रित कर रहा है। इससे नए निवेश, आधुनिक तकनीक के हस्तांतरण, स्थानीय उद्योगों की क्षमता वृद्धि तथा युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसरों का आधार तैयार हो रहा है।

कभी बीमारू राज्य के रूप में पहचाना जाने वाला उत्तर प्रदेश पिछले 09 वर्षों में अपने बजट, जी0एस0डी0पी0, प्रति व्यक्ति आय तथा महिला कार्यबल की भागीदारी को लगभग तीन गुना करने में सफल रहा है। आज प्रदेश देश का अग्रणी रेवेन्यू सरप्लस स्टेट होने के साथ–साथ 02 लाख करोड़ रुपये से अधिक के वार्षिक कैपेक्स के साथ देश में सर्वाधिक पूंजीगत व्यय करने वाला राज्य बना हुआ है। प्रदेश बॉटम–5 से निकलकर आज देश की टॉप–3 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हुआ है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मजबूत कानून–व्यवस्था, निर्बाध कनेक्टिविटी, विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर, डेडिकेटेड इण्डस्ट्रियल लैण्ड बैंक और इण्डस्ट्री रेडी वर्कफोर्स ने उत्तर प्रदेश में निवेश एवं औद्योगिक विकास का नया अध्याय शुरू किया है। प्रदेश की औद्योगिक प्रगति को तुलनात्मक आंकड़ों से समझा जा सकता है। आजादी के बाद लगभग 70 वर्षों में उत्तर प्रदेश में करीब 14,000 फैक्ट्रियां स्थापित हुई थीं, जबकि बीते साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की गति में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वर्तमान गति के अनुसार प्रदेश में प्रतिवर्ष लगभग 2,000 फैक्ट्रियां स्थापित हो रही हैं। यदि वर्ष 2017 से पहले की धीमी गति जारी रहती, तो इन साढ़े नौ वर्षों में मुश्किल से 1,700 से 1,800 फैक्ट्रियां ही स्थापित हो पातीं। आज उत्तर प्रदेश में 35,000 से अधिक फैक्ट्रियां मौजूद हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि डबल इंजन सरकार ने साढ़े नौ वर्षों में जिस तेजी से नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित की हैं, वह प्रदेश के लिए एक बड़ा परिवर्तन है। यह बदलाव तब सम्भव हुआ जब उत्तर प्रदेश को पॉलिसी पैरालिसिस से बाहर निकालकर प्रभावी कानून–व्यवस्था, सुरक्षा और निवेश के अनुकूल वातावरण को जमीनी स्तर पर सुनिश्चित किया गया। इसी का परिणाम है कि कभी बीमारू राज्य रहा उत्तर प्रदेश आज अपनी मैन्युफैक्चरिंग शक्ति के बल पर देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बन रहा है।

आज देश की मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी लगभग 55 प्रतिशत है। भारत में निर्मित कुल इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट्स का लगभग 60 प्रतिशत उत्पादन अकेले उत्तर प्रदेश में हो रहा है। इसके साथ ही डेटा सेण्टर, इलेक्ट्रिक व्हीकल और सेमीकण्डक्टर जैसे उभरते क्षेत्र प्रदेश की औद्योगिक शक्ति को नई ऊंचाई प्रदान कर रहे हैं। उद्योगों की मांग के अनुरूप इण्डस्ट्री रेडी वर्कफोर्स तैयार करने के लिए प्रदेश अपने लाखों आई0टी0आई0 एवं डिप्लोमा धारकों के साथ 02 लाख से अधिक स्टेम ग्रेजुएट्स को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुसार प्रशिक्षित कर रहा है। आधुनिक उद्योगों के लिए प्रशिक्षित, तकनीकी रूप से दक्ष और कार्य के लिए तैयार युवाओं की उपलब्धता उत्तर प्रदेश की प्रमुख ताकत बन रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बीते साढ़े नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश को 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें से 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्तावों का ग्राउण्ड ब्रेकिंग हो चुकी है और उत्पादन भी प्रारम्भ हो गया है। लगभग 7.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों की ग्राउण्ड ब्रेकिंग करने की तैयारी है। यह प्रदेश में निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने तथा औद्योगिक उत्पादन और रोजगार सृजन की दिशा में निरन्तर हो रही प्रगति का प्रमाण है।

आज 01 करोड़ एम0एस0एम0ई0 इकाइयां और 25,000 से अधिक स्टार्टअप्स उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन रहे हैं। उत्तर प्रदेश एफ0डी0आई0/एफ0सी0आई0 एवं फॉर्च्यून ग्लोबल 500 तथा फॉर्च्यून इण्डिया 500 कम्पनियों के निवेश हेतु प्रोत्साहन नीति–2023 सहित प्रदेश की 36 सेक्टोरल पॉलिसी उद्योगों और निवेशकों को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इन नीतियों के अन्तर्गत बॉल कॉरपोरेशन को भी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। प्रदेश में 75,000 एकड़ का इण्डस्ट्रियल लैण्ड बैंक उद्योगों के विस्तार के लिए भूमि की

उपलब्धता सुनिश्चित कर रहा है। 27 इण्डस्ट्रियल एवं मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर आधुनिक औद्योगिक विकास का आधार बन रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि निवेश मित्र सिंगल विण्डो प्रणाली के माध्यम से उद्योगों के लिए प्रक्रियाओं को सरल और सुविधाजनक बनाया जा रहा है। डिरेगुलेशन 1.0 में देश में प्रथम स्थान प्राप्त करना उत्तर प्रदेश की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। प्रदेश में निवेश और उद्योग स्थापना के लिए पारदर्शी प्रक्रियाएं, समयबद्ध सुविधाएं तथा उद्योगों के अनुकूल नीतिगत वातावरण तैयार किया गया है।

सैमसंग, एल0जी0, डिक्सन, सी0एन0एच0 इण्डस्ट्रियल, एच0सी0एल0, फॉक्सकॉन, माइक्रोसॉफ्ट, आई0बी0एम0, पेप्सीको और अब बॉल कॉरपोरेशन जैसी वैश्विक कम्पनियां मेक इन यूपी–मेक फॉर द वर्ल्ड के संकल्प को साकार कर रही हैं। यह कम्पनियां प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के भारत को 05 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प तथा उत्तर प्रदेश को वर्ष 2030 तक 01 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के विजन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में निवेश, आधुनिक तकनीक, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन की सम्भावनाएं निरन्तर बढ़ रही हैं तथा सरकार और उद्योग जगत मिलकर उत्तर प्रदेश की इस ग्रोथ स्टोरी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बॉल कॉरपोरेशन उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा में एक मजबूत साझेदार के रूप में अपना योगदान देगा।

इस अवसर पर बॉल कॉरपोरेशन के वाइस प्रेसिडेण्ट फाइनेन्स श्री फिलिप हॉकेन, बॉल कॉरपोरेशन के मुंबई प्लाण्ट निदेशक श्री अजित शर्मा, अवस्थापना और औद्योगिक विकास आयुक्त श्री आलोक कुमार, प्रमुख सचिव लोक निर्माण एवं सी0ई0ओ0 यूपीडा श्री अजय चौहान, इन्वेस्ट यू0पी0 के सी0ई0ओ0 श्री विजय किरण आनंद सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

————————

PN-CM-Ball Corporation -25 November, 2026